सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in · www.facebook.com/4pmnewsnetwork · @Editor_SanjayS · YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 303 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 11 दिसम्बर, 2024

वह जो पचास लोगों से प्रेम करता है उसके पचास संकट हैं, वो जो किसी से प्रेम नहीं करता उसके एक भी संकट नहीं है।

-भगवान बुद्ध

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

रोहित-विराट का औसत 2024 में जडेजा... 7 | फडणवीस की आगे की राह में... 3 | बिजली बिल से बीजेपी करेगी... 2

यूपी में सियासी सुनामी के संकेत!

इंडिया गठबंधन की ताकत को तितर बितर करना चाहती है बीजेपी

चिट्ठी आयी है, बड़े दिनों के बाद आजम खां ने किया है याद!

» फिर अपने प्रभाव से मतदाताओं को प्रभावित करेंगे आजम

» यूपी में औवेसी के फेल होने के बाद आजम-रावण के काकटेल के जरिये वोटों के ध्रुवीकरण की भाजपाई कोशिश!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जेल में बंद आजम खां ने चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी लिखने का मकसद इंडिया गठबंधन की सियासत पर सवाल उठाना है। उन्होंने चिट्ठी के मार्फत पूछा है कि सभंल हिंसा पर इंडिया गठबंधन हाय तौबा मचा रहा है, लेकिन जब रामुपर में मुस्लिम लीडरशिप को कुचला जा रहा था तब वह कहां था।

सांध्य दैनिक 4PM एक्सक्लूसिव

राजनीतिक विषेलेशकों की नजर में इस चिट्ठी के कई मायने है। 4 पीएम ने सबसे पहले इस खबर को पाठकों तक पहुंचाया था जब जेल में नगीना सांसद चन्द्रशेखर रावण उनसे मिलने पहुंचे थे। उसके बाद कई अन्य नेताओं की मुलाकात जेल में बंद आजम खां से हुई थी। रावण से मुलाकात के महज 15 दिनों के भीतर यह सियासी डेवलपमेंट हुआ है।

मुलायम सिंह यादव अमर रहे! मो० आजम खाँ जिन्दाबाद! अखिलेश यादव जिन्दाबाद!

समाजवादी पार्टी
रामपुर (उ०प्र०)

अजय सागर
जिला अध्यक्ष
मोबाइल : 98370 11301

पत्रांक : .... दिनाँक : 10.12.2024

मौ० आजम खां का जेल से संदेश

समाजवादी पार्टी रामपुर मे हुऐ जुल्म और बर्बादी का मुद्दा संसद में उतनी ही मजबूती से उठाऐं जितना सम्भल का। क्योंकि रामपुर के सफल तजुर्बे के बाद ही सम्भल पर आक्रमण हुआ है।

रामपुर की बर्बादी पर इण्डिया गठबंधन खामोश तमाशायी बना रहा और मुसलिम लीडरशिप को मिटाने पर काम करता रहा। इण्डिया ब्लाक को अपनी स्थिति स्पष्ट करना होगी अन्यथा मुसलमानों के हालात और भविष्य पर विचार करने के लिये मजबूर होना पडेगा।

मुसलमानों पर होने वाले हमलों और उनकी मोजूदा स्थिति पर तथा अपनी नीति पर खुलकर स्थिति स्पष्ट करें। यदि मुसलमानों के वोट का कोई अर्थ ही नही हैं और उनके वोट का अधिकार उनकी नस्लकुशी करा रहा है तो उन्हें विचार करने पर मजबूर होना पडेगा कि उनके वोट के अधिकार को रहना चाहिए या नही।

बेसहारा, अलग–थलग और अकेला खाक व खून में नहाया हुआ अधिकार, इबादत गाहों को विवादित बनाकर समाप्त करना इत्यादि, केवल साजिश करने वालो, षड्यन्त्र रचने वालों तथा दिखाये के हमदर्दी के लिये देश की दूसरी आबादी को बर्बाद एवं नेस्तोंनाबूद नही किया जा सकता।

जारीकर्ता
जिला अध्यक्ष
समाजवादी पार्टी, रामपुर

..., तहसील स्वार जिला रामपुर (उ०प्र०)

बनेगी रावण-अब्दुल्ला की जोड़ी

सूत्रों की माने तो दरअसल भारतीय जनता पार्टी के रणनीतिकार पिछड़ा-मुस्लिम वोटों में ध्रवीकरण करना चाहते हैं। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को एक मुश्त मिले मुस्लिम वोटों से बीजेपी की त्योरियां चढ़ी हुई हैं। और वह चाहती है कि ऐसा दोबारा न हो। हालांकि एआईएमएम के जरिये बहुत कोशिश की गयी लेकिन वह फार्मूला सफल नहीं हुआ। अब चन्द्रशेखर और आजम के बेटे अब्दुल्ला आजम की जोड़ी के जरिये यूपी की सियासत को दोबारा से मथना चाहते है बीजेपी ।

सपा के जिला अध्यक्ष ने जारी किया पत्र

सपा के दिग्गज नेता आजम खां की चिट्ठी का संदेश रामपुर के जिला सपा कार्यालय ने जारी किया है। चिट्ठी को वहां के जिलाध्यक्ष के पैड पर प्रसारित किया गया है। चिट्ठी में आजम खां के संदेश को प्रस्तुत किया गया है। जारीकर्ता के हस्ताक्षर के रूप में अजय सागर जिला अध्यक्ष का नाम पत्र के अंत लिखा गया है।

क्या लिखा है चिट्ठी में!

समाजवादी पार्टी रामपुर में हुए जुल्म और बर्बादी का मुद्दा संसद में उतनी ही मजबूती से उठाए जितना संभल का। क्योंकि रामपुर के सफल तजुर्बे के बाद ही संभल पर आक्रमण हुआ है। रामपुर की बर्बादी पर इंडिया गठबंधन खामोश तमाशायी बना रहा और मुस्लिम लीडरशिप को मिटाने पर काम करता रहा। इंडिया गठबधंन को अपनी स्थिति स्पष्ट करना होगी अन्यथा मुसलमान के हालात और भविष्य पर विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। मुसलमानो पर होने वाले हमलो और उनकी मौजूदा स्थिति पर तथा अपनी नीति पर खुलकर स्थिति स्पष्ट करें। यदि मुसलमानो के वोट का कोई अर्थ ही नहीं है और उसके वोट का अधिकार उनकी नस्लाकुशी करा रहा है तो उन्हें विचार करने पर मजबूर होना पड़ेगा कि उनके वोट के अधिकार को रहना चाहिए या नहीं। बेसहारा, अलग-थलग और अकेला, खाक व खून में नहाया हुआ अधिकार, इबादत गाहों को विवादित बनाकर समाप्त करना इत्यादि, केवल साजिश करने वालों, षड्यंत्र रचने वालों तथा दिखावे के हमदर्दी के लिए देश की दूसरी आबादी को बर्बाद एवं नेस्तोनाबूद नहीं किया जा सकता।

बेटे के सियासी कैरियर को लेकर संजीदा हैं आजम

इंडिया गठबधंन में इन दिनों नेतृत्व को लेकर घमासान मचा हुआ है। ऐसे में आजम खां ने इंडिया गठबंधन के जरिये समाजवादी पार्टी को सवालों के घेरे में लिया है। आजम की सियासत को करीब से समझने वाले कहते हैं कि आजम बस मौके की तलाश में थे। वह लागातार समजावादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव पर बेरूखी अख्तियार करने के आरोप लगाते हैं। उन्हें बस मौके का इंतजार था। वह अपने बेटे के राजनीतिक कैरियर को लेकर बेहद चिंतित है। आजम चाहते हैं कि अब्दुल्ला आजम पर लगे आरोप हटे और वह मेन स्ट्रीम राजनति में चमके। वह जानते हैं कि राजनीति में बिना ?ताकत के ज्यादा दिनों तक सरवाइव नहीं किया जा सकता और आजम खां के नाम पर अब्दुल्ला आजम ज्यादा दिनो तक नहीं चल सकते। ऐसे में चन्द्रशेखर के रूप में एक मजबूत कंधा उन्हें मिल चुका है। जोकि उनकी कानूनी लड़ाई और राजनीतिक लड़ाई को आगे बढ़ायेगा।

उपचुनावों के समय आजम खां के परिजनों से मिले थे सपा प्रमुख

यूपी उपचुनावों के समय आजम खा चर्चा में थे। दरअसल उस समय समाजवादी पार्टी मुखिया अखिलेश यादव के साथ मुलाकात की खबर सामने आई थीं। दरअसल अखिलेश के पहले से फिक्स के मुताबिक वह मुरादाबाद की कुंदरकी सीट पर चुनावी रैली करने के बाद वहां से रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी जाने वाले थे। इसके बाद अखिलेश जेल रोड स्थित आजम खां के घर जाकर परिवार से भी मिले। पूर्व मंत्री आजम खां या उनके परिवार के साथ अखिलेश यादव की आखिरी मुलाकात लोकसभा चुनाव के समय ही हुई थी। टिकट बंटवारे को लेकर अखिलेश ने उस वक्त सीतापुर जेल में जाकर आजम के साथ मुलाकात की थी। लेकिन उसके बाद से समाजवादी पार्टी का कोई भी बड़ा नेता ना तो आजम से और ना ही उनके परिवार से मिला।

बिजली बिल से बीजेपी करेगी भ्रष्टाचार : अखिलेश

बोले-भ्रष्ट कमाई का सरकार बनाने में इस्तेमाल करेंगे भाजपाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि पहले भाजपाई बिजली का निजीकरण करेंगे, फिर बिजली की रेट बढ़ाएंगे, उसके बाद कर्मचारियों की छंटनी करेंगे, फिर ठेके पर लोग रखेंगे और ठेकेदारों से भाजपाई कमीशन लेंगे। फिर बिजली का बिल बढ़ाकर जनता का शोषण करेंगे, बढ़े बिल का हिस्सा बिजली कंपनियों से पिछले दरवाजे से लेंगे, फिर भाजपाई इस भ्रष्ट कमाई का सरकार बनाने में इस्तेमाल करेंगे, सरकार बनाकर जनता की जेब खाली करने का यही कुचक्र किसी और रूप में दोहराएंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि बिजली के बाद क्या पता पानी के निजीकरण का भी नंबर आ जाए। उन्होंने कहा कि भाजपाइयों को कर्मचारियों और आम जनता के गुस्से और आक्रोश का भी डर नहीं हैं क्योंकि ये चुनाव वोट से नहीं, खोट से जीतते हैं। जहां जनता सजग होती है और प्रशासन ईमानदार होता है, वहां भाजपा वाले हार जाते हैं।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपाइयों ने एक यूनिट बिजली का उत्पादन किया नहीं। सस्ती और निरंतर सुलभ बिजली के लिए न तो जेनरेशन बढ़ाया है, न ट्रांसमिशन को सुदृढ़ बनाया है और न ही डिस्ट्रिब्यूशन को सुधारा है। इसकी जगह भाजपाइयों ने बिजली जैसी जनता की बुनियादी जरूरत को पैसे 'जेनरेशन' की मशीन मान लिया है, पैसे का 'ट्रांसमिशन' इधर से उधर किया है और पैसे का आपस में मिल बाँटकर 'डिस्ट्रिब्यूशन' कर लिया है।

झूठ और लूट की नीति पर काम कर रही भाजपा

भाजपा झूठ और लूट की नीति पर काम करती है। सरकारी बजट लूटने और जनता की जेब काटने के लिए नयी-नयी रणनीति बनाती है। भाजपा का उद्देश्य लोक कल्याण और जनकल्याण नहीं है। वह अपने लाभ के लिए जनता का शोषण करती है। भाजपा की शोषणकारी नीति से कर्मचारी और जनता त्रस्त है। 2027 में प्रदेश की जनता भाजपा की अन्यायी शासन का अंत कर देगी।

मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए वन नेशन, वन इलेक्शन का शिगूफा : अवधेश प्रसाद

केंद्र सरकार के संसद के मौजूदा सत्र में ही 'वन नेशन-वन इलेक्शन' से जुड़े विधेयक पेश करने की अटकलों पर अयोध्या से समाजवादी पार्टी सांसद अवधेश प्रसाद ने आरोप लगाया कि भाजपा किसानों का मुद्दा, बेरोजगारी, महंगाई, जनगणना जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए ऐसे विधेयक लाने की बात कह रही है। अवधेश प्रसाद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने तात्कालिक और संवेदनशील मुद्दों जैसे किसानों का मुद्दा, बेरोजगार नौजवानों का, महंगाई, जनगणना आदि का मुद्दा पर कोई ठोस उन्हकदम नहीं उठाए हैं, और देशहित में इनका समाधान करने में पूरी तरह से असफल रही है। उन्होंने कहा कि इसलिए, 'वन नेशन, वन इलेक्शन' जैसी बातें उठाई जा रही हैं, ताकि लोगों का ध्यान इन महत्वपूर्ण मुद्दों से भटकाया जा सके। वह कहते हैं कि क्या यह सरकार यह दावा कर सकती है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव करवा सकती है? अगर पांच महीने से एक सीट खाली पड़ी है और उस पर चुनाव नहीं करवा पा रहे हैं, तो फिर यह कल्पना कैसे संभव हो सकती है? मुझे नहीं लगता कि वे इसे सफलतापूर्वक कर पाएंगे।'इंडिया' गठबंधन में आ रही दरार की खबरों पर उन्होंने कहा, हमें नहीं लगता कि 'इंडिया' गठबंधन में कोई दरार आई है। दरार डालने के लिए 'इंडिया' गठबंधन का गठन नहीं किया गया था, बल्कि यह बड़े उद्देश्य के लिए बनाया गया है।

सहजनवॉ गोलीकांड : पीड़ित के परिजनों से मिला सपा प्रतिनिधिमंडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देशानुसार समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमण्डल सोमवार को सहजनवॉ विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत थाना गीडा के अमटौरा गॉव पहुंचा। जहां उन्होंने रामधनी निषाद से मुलाकात की। ज्ञात हो कि उनके पुत्र शिवधनी निषाद की गॉव के ही दबंग व्यक्ति द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना की जानकारी तथा शोकाकुल परिवार से शोक संवेदना प्रकट करने गये प्रतिनिधिमण्डल को गोरखपुर पुलिस ने सभी सदस्यों सहित अन्य नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने के बाद रिहा किया। मीडिया से वार्ता करते हुए समाजवादी पार्टी कार्यालय पर समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजपाल कश्यप ने कहा कि समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को पीड़ित परिवार से मिलने नहीं दिया गया। शोक संवेदना व्यक्त नहीं करने दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री बताए शिवधनी निषाद के हत्यारे का डीएनए क्या है। हत्यारे के घर बुलडोजर कब चलेगा? मुख्यमंत्री जी के गोरखपुर में रहते हुए यह घटना हुई है। अपनी नाकामी छुपाने के लिए हम लोगों को पीड़ित परिवार से मिलने नहीं दिया गया। पीडीए के लोगों का पूरे प्रदेश में लगातार उत्पीडन भाजपा सरकार में हो रहा है। पीड़ित परिवार की मांग पूरी करें सरकार। निषाद परिवार की हत्या पर भाजपाई मौन है। शिवधनी निषाद के परिवार को न्याय दिलाने की लडाई समाजवादी पार्टी सड़क से लेकर सदन तक लड़ेगी। प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यगण हैं डॉ. राजपाल कश्यप प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ उप्र, यशपाल सिंह यादव पूर्व विधायक, विजय बहादुर यादव पूर्व विधायक, सुनील सिंह वरिष्ठ नेता, ब्रजेश कुमार गौतम जिलाध्यक्ष, शब्बीर कुरैशी महानगर अध्यक्ष, नगीना प्रसाद साहनी पूर्व जिलाध्यक्ष, अमरेन्द्र निषाद पूर्व विधान सभा प्रत्याशी पिपराइच एवं मनीष कमाण्डो विधान सभा अध्यक्ष, सहजनवॉ शामिल हैं।

रोहिंग्या शरणार्थियों को पानी और बिजली देना हमारी जिम्मेदारी : फारूक अब्दुल्ला

बोले- डबल इंजन सरकार जम्मू-कश्मीर में काम नहीं करेगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू और कश्मीर सरकार की जिम्मेदारी है कि वह यहां रह रहे रोहिंग्या शरणार्थियों को बुनियादी सुविधाएं जैसे पानी और बिजली मुहैया कराए। फारूक अब्दुल्ला ने कहा भारत सरकार ने इन शरणार्थियों को यहां भेजा है, हम इन्हें नहीं लाए। इन्हें यहीं बसाया गया है, और जब तक ये यहां हैं, हमें इन्हें पानी और बिजली देना हमारी जिम्मेदारी है।

यह बयान बीजेपी द्वारा जम्मू शहर में रोहिंग्याओं और बांगलादेशियों के बसने को राजनीतिक साजिश करार दिए जाने के एक

दिन बाद आया है, जिसमें इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई थी। गवर्नमेंट डेटा के अनुसार जम्मू और कश्मीर में 13,700 से अधिक विदेशी शरणार्थी बसे हुए हैं, जिनमें अधिकांश रोहिंग्या (म्यांमार से अवैध प्रवासी) और बांगलादेशी नागरिक हैं। इनकी संख्या 2008 और 2016 के बीच 6,000 से अधिक बढ़ी है। मार्च 2021 में, पुलिस ने जम्मू शहर में एक सत्यापन अभियान के दौरान 270 से अधिक रोहिंग्याओं है। जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, उन्हे अवैध रूप से रहते हुए पाया और उन्हें कटरा सब-जेल में एक होल्डिंग सेंटर में भेज दिया।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के दो साल पूरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में दो साल के कांग्रेस सरकार के कार्यकाल ने 40 साल पुरानी व्यवस्था को बदला है। अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाया गया है। आम और खास आदमी के अंतर को खत्म करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

सीएम ने कहा कि आगामी वर्षों में वह चाहते हैं कि हिमाचल के सभी लोगों को यहां की संपदा में अपने अधिकार मिलें। राज्य की 70 फीसदी संपदा कुछ लोगों के ही हाथ में है। गरीब और गरीब व अमीर और अमीर हो रहा है। अगला लक्ष्य यही है कि इस संपदा का समुचित बंटवारा कर इसे आम आदमी तक पहुंचाया जाए, वह इस दिशा में काम कर रहे हैं। हिमाचल में

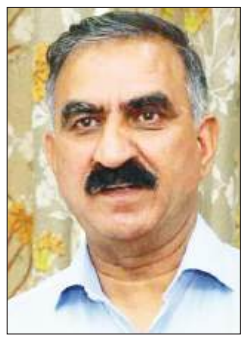

कांग्रेस सरकार की दूसरी वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि उनके कार्यकाल के यह दो वर्ष व्यवस्था परिवर्तन के रहे हैं। वर्तमान सरकार ने बिगड़ी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की जिम्मेवारी ली है। नियमों में बदलाव कर इसे पटरी पर लाया गया है, जो अब तेजी से दौड़ रही है। सरकार ने दो वर्षों में कई नीतिगत निर्णय लिए हैं। हालांकि प्रचार-प्रसार की कमी जरूर रही। पुरानी पेंशन स्कीम को लागू किया। जिनके माता-पिता नहीं थे, ऐसे बच्चों को चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट का दर्जा दिया।

डबल इंजन की सरकार ने खजाना खाली किया, हमने कई चुनौतियों का सामना किया

मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि जिस प्रदेश का खजाना खाली था और जिसमें डबल इंजन की सरकार चली, वहां पहली आर्थिक चुनौती थी, जिससे हमने लड़ाई लड़ी। प्राकृतिक आपदा के रूप में दूसरी चुनौती आई। इसमें हमारे 551 लोगों ने अपनी जान गंवाई। 23,000 कच्चे-पक्के मकान उजड़ गए। उन परिवारों को बसाने का जिम्मा लिया। केंद्र ने हमारी मदद नहीं की। हमने 4,500 करोड़ रुपये का पैकेज अपने बूते पर दिया। रिलीफ मैनुअल को बदला और मकान बनाने के लिए 1.50 लाख के बजाय 7 लाख रुपये दिए। आंशिक रूप से घर टूटने पर भी एक लाख रुपये की मदद दी। तीसरी राजनीतिक चुनौती आई। मध्य प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र की तर्ज पर भाजपा ने ऑपरेशन लोटस चलाया, मगर देवी-देवताओं, भगवान और हिमाचल प्रदेश की जनता के आशीर्वाद व सहयोग से इस चुनौती से भी पार पा लिया।

लालू यादव के बयान के बाद बिहार में घमासान

राजद सुप्रीमो के आंख सेंकने वाले बोल पर जदयू खफा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। सीएम नीतीश कुमार अधिकार यात्रा, संवाद यात्रा जैसी कई यात्राएं करने के बाद अब महिला संवाद यात्रा पर निकलने वाले हैं। इस बीच राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने 2025 के विधानसभा चुनाव में 225 सीटें जीतने के सीएम नीतीश के दावे के सवाल पर कहा- वह पहले वो अपनी आंख सेंक लें, तब यह सब दावे करें। वह आंख सेंकने ही जा रहे हैं।

लालू यादव ने जो कहा, उसपर नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड के साथ सहयोगी भारतीय जनता पार्टी ने भी उन्हें कसकर घेर लिया है। भाजपा ने उनकी दिमागी हालत पर सवाल उठाया है तो जदयू ने उनकी सोच को निकृष्ट बताया है। चार विधायकों के सांसद बनने से खाली हुई महागठबंधन की तीन और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की एक सीट के लिए पिछले दिनों बिहार विधानसभा उप चुनाव हुआ था।

फडणवीस की आगे की राह में विष ही विष!

महायुति को सीएम चेहरे पर करनी पड़ी माथा-पच्ची

» शिवसेना नेता शिंदे को साधना नहीं होगा आसान

» पार्टी को टूट-फूट से बचाने की भी होगी जिम्मेदारी

» फडणवीस ने एक हैं तो सेफ हैं को दिया क्रेडिट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आखिरकार काफी उठापटक के बाद महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस वहां के मुख्यमंत्री बन गए। महायुति सरकार में सहयोगी शिवसेना के नेता एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम बने जबकि एनसीपी के अजित पवार भी उपमुख्यमंत्री बनकर भाजपा को मदद करेंगे। देखने में आया कि महायुति को सीएम चेहरे पर फैसला लेने दस दिन से ज्यादा समय लग गया। ऐसी चर्चा रही शिंदे सीएम बनने का अपना लोभ नही छोड़ पार रहे थे। ऐसे में भाजपा के शीर्ष लीडरशीप से बातचीत के बाद उन्होंने डिप्टी का पद तो ग्रहण कर लिया पर सियासी गलियारें में ये चर्चा आम है कि आने वाले समय फडणवीस के लिए राह आसान नही हैं उन्हें जहां जनता से किए वादे पूरे करने होंगे वही सहयोगी दलों को भी साधे रखना होगा क्योंकि महाराष्ट्र का इतिहास रहा है कि वहां चलती हुई सरकारों को तोड़कर नई सरकारें बनाने का खेल चलता रहा है।

इसमें भाजपा सबसे ज्यादा माहिर ऐसे में उसके प्रयोग ही उसके ऊपर अन्य लोग कर सकते है ऐसे कह सकते हैं फडणवीस की राह में आगे सिर्फ अमृत ही नहीं विष भी चखने पड़ सकते है। हालांकि महाराष्ट्र के तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने जा रहे देवेंद्र फडणवीस ने अपने पहले कार्यकाल की तरह न्यू महाराष्ट्र के निर्माण के संकेत दिए हैं। फडणवीस ने मंत्रीमंडल में दागियों की एंट्री पर अपना स्टैंड जहां साफ कर दिया है तो वहीं दूसरी तरफ उन्होंने जीत का क्रेडिट पीएम मोदी के एक हैं तो सेफ हैं स्लोगन को दिया है। अब आगे देखना है वह कितना खरे उतरते हैं। महाराष्ट्र में महायुति यानी एनडीए की जीत के लिए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चार दिन में 11 जनसभाओं को संबोधित किया था। 18 विधानसभा क्षेत्रों में उनकी रैलियां हुई। इनमें 17 क्षेत्रों में जीत मिली। ऐसे में उनका स्ट्राइक रेट 95 प्रतिशत रहा। इन रैलियां में उन्होंने कुल 23 उम्मीदवारों को जिताने की अपील की। इसमें 20 जीत गए। योगी आदित्यनाथ का बंटेंगे तो कटेंगे स्लोगन पूरे चुनाव में छाया रहा। इस नारे पर इतनी चर्चा हुई कि महायुति के साथ बीजेपी के भी विभाजन दिखाई दिया। तो वहीं चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक हैं तो सेफ का नारा दिया। बुधवार को जब देवेंद्र फडणवीस को बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया तो उन्होंने जीत का श्रेय एक हैं तो सेफ हैं के साथ मोदी हैं तो मुमकिन है को दिया। फडणवीस ने बंटेंगे तो कटेंगे का जिक्र नहीं किया। चर्चा है कि फडणवीस ने ऐसा कहकर अपने बयान से भरोसा दिया कि सरकार दलित, ओबीसी के साथ अल्पसंख्यकों का भी ख्याल रखेगी। फडणवीस ने महाराष्ट्र में जीत का पूरा श्रेय केंद्रीय आलाकमान को दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस महाजीत का नायक बताया। इतना ही नहीं शपथ ग्रहण के दौरान आजाद मैदान में एक हैं तो सेफ हैं... नारा ही दिखा। इस स्लोगन वाली 15000 हजार टी-शर्ट पहले लोग आजाद मैदान में दिखें।

फडणवीस योगी दोनों एक पीढ़ी के नेता

कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि फडणवीस और योगी आदित्यनाथ दोनों ने बीजेपी की अगली पीढ़ी के नेता है। फडणवीस की उम्र 54 साल है तो योगी आदित्यनाथ 52 साल के हैं। फडणवीस की वापसी से दोनों ही दो बार के सीएम हो जाएंगे। फडणवीस ने योगी के नारे को क्रेडिट देकर न सिर्फ केंद्रीय नेताओं को खुश किया बल्कि योगी को भी डाउन साइज करने की कोशिश की है।फडणवीस उम्र के मामले में राहुल गांधी के बराबर हैं। फडणवीस महाराष्ट्र की जीत के बाद एक ब? पोस्टर ब्वॉय बनकर उभरे हैं। उनकी छवि कट?टर नहीं है बल्कि उन्होंने काफी समवेशी छवि का निर्माण किया है। यह भी कहा जा रहा है कि उन्हें संघ का जहां पूर्ण समर्थन है तो वहीं दूसरी तरफ वह पीएम मोदी की गुडबुक में हैं।

योगी के नारे से किया किनारा

वहां पर अब चर्चा शुरू हो गई कि महाराष्ट्र में समंदर वाले अंदाज में लौटकर आए फडणवीस ने क्या जानबूझकर योगी आदित्यानाथ का जिक्र नहीं किया। जो भी लोकसभा चुनावों में चार महीने बाद हुए चुनावों में बीजेपी की यूपी से लेकर महाराष्ट्र की जीत में बंटेंगे तो कटेंगे नारे अहम स्लोगन माना गया था। फडणवीस के वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण और गुजरात के पूर्व सीएम विजय रुपाणी की मौजूदगी में जीत की श्रेय पीएम मोदी और केंद्रीय नेतृत्व को दिए जाने की अलग-अलग ढंग से व्याख्या की जा रही है। इसमें कहा जा रहा है कि बंटेंगे तो कटेंगे नारे...की अब कोई जरूरत नहीं है। भले ही इस नारे ने एजेंडा सेट किया लेकिन इसमें निगेटिव वाइब्स आती है, जबकि पीएम मोदी का एक हैं तो सेफ हैं नारा पॉजिटिव मैसेजिंग वाला है। फडणवीस अब राज्य के मुख्यमंत्री बन गए हैं ऐसे में अगर वह फिर इस नारे को बुलंद करते हैं तो वह बेवजह निशाने पर आएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष बने राहुल नार्वेकर

वरिष्ट नेता राहुल नार्वेकर विधानसभा अध्यक्ष बन गए है। इससे पहले कालिदास कोलंबकर को प्रोटेम स्पीकर बनाया गया। 70 साल की उम्र में वे विधानसभा आए कोलंबकर महाराष्ट्र की राजनीति में दिग्गज खिलाड़ी हैं। वह 9 बार विधायक रह चुके हैं। 70 वर्षीय कोलंबकर हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में मुंबई की वडाला सीट से जीत हासिल की है। पहली बार 1990 में वडाला सीट से शिवसेना के उम्मीदवार के तौर पर चुने गए थे। कभी बाल ठाकरे के करीबी नेताओं में कालिदास कोलंबकर की राजनीतिक यात्रा

महत्वपूर्ण मील के पत्थर और बदलावों से भरी हुई है। महाराष्ट्र में उनका राजनीतिक सफर शिवसेना से कांग्रेस और अब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) तक तय किया है शुरुआत में शिवसेना के सदस्य रहे कोलंबकर का झुकाव पिछले कुछ सालों में बदलता रहा। 2005 में नारायण राणे के साथ शिवसेना छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे।

बीजेपी के फॉर्मूले से बढ़ी थी मुश्किल

सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों के शपथ ग्रहण से पहले बीजेपी ने अपने गठबंधन सहयोगियों शिवसेना और एनसीपी से कहा था कि वे दागी विधायकों को नई महायुति सरकार में मंत्री बनाने की सिफारिश न करें। एक वरिष्ठ नेता के हवाले से कहा गया कि महाराष्ट्र के तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने जा रहे देवेंद्र फडणवीस अपने मंत्रिमंडल में साफ और नए चेहरे लेना चाहते हैं ताकि उनकी सरकार चुनाव प्रचार के दौरान किए गए वादों को पूरा कर सके। बीजेपी नेता के अनुसार फडणवीस अपने नेतृत्व में नए महाराष्ट्र की बात कर रहे हैं, इसलिए वह इस बारे में

बहुत स्पष्ट हैं कि उनके मंत्रिमंडल में किसे शामिल करना है। फडणवीस के इस फैसले पर केंद्रीय आलाकमान की मुहर है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में पिछली सरकार के सभी 28 मंत्री चुनाव जीतकर आए हैं। ऐसे में ये सभी फिर से मंत्री बनना चाहते थे। अब देखना है कि क्लीन और न्यू के पैरामीटर के बाद कितने मंत्रियों की फिर से वापसी होती है। मंत्रियों के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के साथ शपथ नहीं लेने को यह बड़ा कारण माना जा हा है। बीजेपी का केंद्रीय आलाकमान भी साफ-सुथरा शासन देने के पक्ष में है। फडणवीस चाहते हैं कि अपराध में लिप्त और भ्रष्ट मंत्री सरकार की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे लोगों को मंत्रिमंडल में रखने से न केवल सरकार के प्रदर्शन पर असर पड़ता है, बल्कि चुनावी में विपक्ष के हमलों का सामना करना पड़ता है। फडणवीस ने 2014 से 2019 के कार्यकाल के दौरान फडणवीस ने भ्रष्टाचार में लिप्त नेताओं को बाहर करने में संकोच नहीं किया था। फडणवीस अपने अगले कार्यकाल में इसे दोहराना नहीं चाहते हैं।

विधानसभा में महायुति ने विश्वास मत हासिल किया

देवेन्द्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन सरकार सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा में विश्वास मत से सफल हो गई। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना विधायक उदय सामंत, राकांपा के दिलीप वाल्से पाटिल, भाजपा के संजय कुटे और अन्य द्वारा पेश विश्वास प्रस्ताव को ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने घोषणा की कि सदन ने विश्वास प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 288 सदस्यीय विधानसभा में महायुति गठबंधन के पास 230 विधायकों का प्रचंड बहुमत है। विश्वास प्रस्ताव बहुमत से पारित हो गया है। विधान सभा अब स्थगित हो जाएगी और आज महाराष्ट्र के राज्यपाल के भाषण के बाद फिर से शुरू होगी। फडणवीस ने 5 दिसंबर को तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। मुंबई के आजाद मैदान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित समारोह में एकनाथ शिंदे और अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। 15वीं विधान सभा ने आधिकारिक तौर पर 7 दिसंबर को अपना कार्यकाल शुरू किया। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 288 सदस्यीय निचले सदन में 230 सीटें हासिल कीं, फ्लोर टेस्ट एक औपचारिकता मात्र थी। नार्वेकर की अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति के साथ, महायुति गठबंधन के पास अब 229 विधायकों का समर्थन है, जिसमें छोटे दल और स्वतंत्र विधायक शामिल हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में महायुति गठबंधन में 132 विधायकों के साथ बीजेपी, 57 सीटों के साथ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और 41 सीटों के साथ अजीत पवार की एनसीपी शामिल है। जन सुरबाया शक्ति पार्टी के पास दो सीटें हैं, राष्ट्रीय समाज पक्ष, राजर्षि शाहू विकास अगाड़ी के पास एक-एक सीट है, जबकि दो निर्दलीय सरकार का समर्थन कर रहे हैं। विपक्षी महा विकास अघाड़ी में 16 सीटों के साथ कांग्रेस, 20 सीटों के साथ उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और 10 सीटों के साथ शरद पवार की एनसीपी (एसपी) शामिल है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

नशे पर रोकथाम करना बहुत जरूरी!

पंजाब, गुजरात, दिल्ली, मप्र समेत लगभग कई राज्यों में समय-समय पर नारकोटिक्स विभाग द्वारा नशे का सामन व लोगों को पकड़ने की खबरें आती रहती है। ये नशीले पदार्थों के जखीरों की कीमत अरबों में हैं। गृह मंत्रालय समय-समय पर दावा कर रहा है कि नशेबाजी को खत्म कर दिया जाएगा पर ये सब बाते हवाहवाई ही रहती हैं। रोज नये जखीरे पकड़े जा रहे हैं पर सरकार है एक लाइन का स्टेटमेंट देकर पीछे हट रही है। अब सरकारों को गंभीरता से इन अवैध कामों को रोकना होगा क्योंकि इसे देश की युवा पीढ़ी के भविष्य को बचाया जा सकता है और सरकार के राजस्व को नुकसान होने से बचाया जा सकता है। पिछले कई वर्षों से नशे के कारोबार के खात्मे के लिये तमाम तरह के प्रयास हो रहे हैं। लेकिन अब इसमें तेजी लाकर सरकार कई नए कदम भी उठा रही है। रणनीतिकारों की चिंता है कि कहीं भारत भी दक्षिणी अमेरिका के देशों की तरह नशे के कारोबार में न फंस जाये।

उन देशों में युवा वर्ग इस खतरनाक कारोबार में बड़े पैमाने पर फंस गया है और अपने जीवन का नाश कर रहा है। ड्रग्स के धंधे पर कब्जा करने के लिए उन देशों में बड़ी हिंसा हो रही है और निर्दोष लोगों की जानें जा रही हैं। उनकी अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो गई हैं और भविष्य अंधकारमय है। इन्ही चिंताओं के बीच इस कारोबार के खात्मे के लिए लक्ष्य भी रखा है कि 2047 तक देश में नशे के कारोबार को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया जाये ताकि देश नशे के कुचक्र से मुक्त हो जाये। गृह मंत्रालय की एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स द्वारा लगातार ड्रग्स को जब्त कर उसे नष्ट किया जा रहा है। इसकी सफलता का अंदाजा इन आंकड़ों से लगाया जा सकता है कि 2014 से 2023 तक 12,000 करोड़ रुपये के बराबर 10 लाख 18 हजार किलोग्राम से भी ज्यादा ड्रग जब्त कर नष्ट कर दिए गये। दरअसल, इसके लिए उन देशों का अध्ययन किया गया जहां नशे के कारोबार ने न केवल जीवन को त्रासद बना दिया बल्कि अर्थव्यवस्थाओं को पैरालाइज कर दिया। ये देश गरीबी के गर्त में जा रहे हैं। जिन देशों से ड्रग की स्मगलिंग भारत में होती है, उन पर खास ध्यान दिया जा रहा है। इनमें गोल्डन ट्रिएंगल और गोल्डन क्रीसेंट के देश मसलन उत्तर में अफगानिस्तान, पूर्व में म्यांमार हैं। इसमें पहला है संस्थागत ढांचे को सुदृढ़ बनाकर जवाबदेही सुनिश्चित करना। दूसरा है नार्को संस्थाओं के साथ समन्वय पर जोर देना। तीसरा है जागरूकता अभियानों के माध्यम से देशव्यापी प्रयास करना। इसके अलावा देश? के तमाम राज्यों में लगातार एंटी नॉरकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन भी किया जा रहा है। लोगों में जागरूकता के आधार से भी नशे पर विराम लगाया जा सकता है।

ड्रग्स के धंधे पर कब्जा करने के लिए उन देशों में बड़ी हिंसा हो रही है और निर्दोष लोगों की जानें जा रही हैं। उनकी अर्थव्यवस्थाएं चौपट हो गई हैं और भविष्य अंधकारमय है। इन्ही चिंताओं के बीच इस कारोबार के खात्मे के लिए लक्ष्य भी रखा है कि 2047 तक देश में नशे के कारोबार को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया जाये ताकि देश नशे के कुचक्र से मुक्त हो जाये।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सीरिया के तख्तापलट से मध्यपूर्व में नया संकट

पुष्परंजन

दमिश्क में पूर्व राष्ट्रपति हफीज अल असद के बुत उठाये जा रहे हैं। तानाशाहों के ताज उछाले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन का दावा है कि इस्त्राइल द्वारा 'ईरान और हिजबुल्लाह पर किए गए प्रहार' का सीरियाई क्रांति पर सीधा प्रभाव पड़ा है। लेकिन इस्त्राइल को चिंता बफर जोन की है। सीरियाई विद्रोही कब्जा न करें, इस वास्ते इस्त्राइली बलों को आदेश दिया है वो सतर्क रहें। ईरान का आरोप है कि यह सारा खेल अमेरिका, इस्त्राइल और तुर्किये का रचा हुआ है। लेकिन, यदि यह त्रिगुट आइसिस और अल कायदा की विचारधारा पर चलने वाले हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) को प्रोमोट करता रहा है, तो मानकर चलिए कि मिडल ईस्ट में एक खतरनाक खेल हुआ है। इस खेल का नाम था 'ऑपरेशन डिटरेंस ऑफ एग्रेशन'।

'एचटीएस' को यहां तक पहुंचने में बारह साल लगे। पहले इसे 'अल-नुसरा फ्रंट' के नाम से जाना जाता था। जबात अल-नुसरा का गठन 2012 में आइसिस द्वारा किया गया था। एक साल बाद यह गुट अलग हो गया, और फिर जबाहत फतेह अल-शाम नाम रखकर अल-कायदा के प्रति निष्ठा की घोषणा कर दी। कालांतर में इसने अल-कायदा से भी संबंध तोड़ लिए, और 2017 में हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) नाम से अपनी ब्रांडिंग शुरू कर दी। 'एचटीएस' इदलिब को नियंत्रित करता है। उत्तर-पश्चिम सीरियाई शहर इदलिब विद्रोहियों का एपिसेंटर रहा है, जहां दूसरे आतंकी समूह, 'लिवा अल-हक', 'जबात अंसार अल-दीन' और 'जैश अल-सुन्ना' इससे जुड़ गए। सीरिया की सीमा उत्तर में तुर्की, पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम में लेबनान और इस्त्राइल, पूर्व में इराक, और दक्षिण में जॉर्डन से लगती है। मानकर चलें कि जब तक सीरिया में चुनाव होकर एक निर्वाचित सरकार नहीं आ जाती, यह पूरा इलाका डिस्टर्ब रहेगा। सीरिया की राजधानी में इराकी दूतावास की इमारत को खाली करा लिया गया है, और कर्मचारियों को लेबनान भेज दिया गया है। यह इराक द्वारा सीरिया के साथ अपनी सीमा को बंद करने, और दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हयात तहरीर अल-शाम विद्रोही समूह के सदस्यों द्वारा हमला किए जाने के बाद हुआ है।

रूस, ईरान, तुर्की, इराक, मिस्त्र, जॉर्डन, सऊदी अरब और कतर ने दोहा में सीरिया का 'राजनीतिक समाधान' निकालने आह्वान करते हुए एक संयुक्त बयान जारी किया है। दूसरी ओर, सीरिया के प्रधानमंत्री मोहम्मद गाजी

अलजलाली ने स्वतंत्र चुनाव कराये जाने की मांग की है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल है, रूस मिडल-ईस्ट से अपना मिलिटरी बेस हटाता है, कि नहीं? सीरिया के लताकिया प्रांत में रूस के खमीमिम एयरबेस और तटीय नगर पर टार्टस में इसकी नौसैनिक सुविधा है। टार्टस मिडल ईस्ट में रूस की एकमात्र भूमध्यसागरीय मरम्मत और पुन:पूर्ति केंद्र है। मास्को के लिए यह वैसा बेस है, जहां से उसके मिलिटरी कॉन्ट्रैक्टर अफ्रीका में स्थित ठिकानों पर उड़ानें भरते हैं। बशर अल असद की वजह से रूस को टार्टस में एक नौसैनिक अड्डा और खमीमिम में एक सैन्य हवाई अड्डा हासिल हुआ था। बदले में मॉस्को की सेना 2015 में सीरियाई संघर्ष में सैन्य रूप से शामिल हो गई, जिसने खूनी गृहयुद्ध में विपक्ष को कुचलने के लिए असद की सेना को सहायता प्रदान की। हमीमिम एयरबेस और टार्टस हटाने के लिए, क्या एक और युद्ध होगा? इस सवाल को हम यहीं छोड़े जाते हैं। लेकिन, सबसे डरावना है अरब विद्रोह, या 'अरब स्प्रिंग', जो मिडल ईस्ट के शाही परिवारों और डायनेस्टी पॉलिटिक्स करने वालों की नींद उड़ाए हुए है। अरब स्प्रिंग के बीज 17 दिसंबर, 2010 को बोए गए थे, जब ट्यूनीशियाई सड़क पर खोमचे लगाने वाला मोहम्मद बौआजीजी ने पुलिस दुर्व्यवहार के विरोध में आत्मदाह कर लिया था। आत्मदाह देखकर क्रांति भड़क उठी। 14 जनवरी, 2011 को ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति जीन एल अबिदीन बेन अली देश छोड़कर भाग गए। ट्यूनीशिया के बाद, अरब स्प्रिंग की गति बढ़ती रही। 25 जनवरी, 2011 को मिस्त्र में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए, जिसके परिणामस्वरूप 11 फरवरी को राष्ट्रपति होस्नी मुबारक ने इस्तीफा दे दिया।

यह अशांति और फैल गई, 15 फरवरी, 2011 को लीबिया में मुअम्मर गद्दाफी के शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। कर्नल मुअम्मर गद्दाफी ने लीबिया पर कुल 42 साल तक राज किया, कर्नल गद्दाफी सबसे अधिक समय तक राज करने वाले तानाशाह के रूप में जाने जाते थे। 20 अक्टूबर, 2011 को गद्दाफी मारे गये, लेकिन उससे पहले उनकी बड़ी दुर्गति हुई। इन सारी घटनाओं से प्रेरित विद्रोह की लहर 2011 में सीरिया पहुंची, उसे कुचलने के लिए असद शासन ने क्रूर बल का इस्तेमाल किया। सीरिया 14 वर्षों से गृहयुद्ध की चपेट में है। सीरिया में जो कुछ हुआ है, वह सभी एशियाई और अरब तानाशाहों के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए।

जलवायु बदलावों की गति थामने को जरूरी गंभीर पहल

अभिषेक कुमार सिंह

दुनिया में ऐसा मानने वाले बहुत लोग हैं कि जलवायु परिवर्तन यानी क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वॉर्मिंग सिर्फ हवा-हवाई बातें हैं। इनका हौवा खड़ा करके कुछ पर्यावरणवादी संगठन और गरीब देश धन ऐंठते हैं। हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप तो ऐसे ही तर्क देकर जलवायु परिवर्तन थामने वाली पेरिस संधि से बाहर भी हो चुके हैं। इसके अलावा कुछ लोग मानते हैं कि ग्लोबल वॉर्मिंग का कई बार सकारात्मक असर भी होता है। इसका एक उदाहरण उत्तराखंड में सामने आया, जहां तेजी से बढ़ते एक हिमनद यानी ग्लेशियर का पता चला है। भारत-चीन सीमा के नजदीक नीति घाटी में पाया गया यह हिमनद 48 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैला है। हाल तक उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और सिक्किम आदि में हिमनदों के पिघलने, सिकुड़ने और गायब हो जाने की खबरें आती रही हैं। तेजी से बढ़ते ग्लेशियर की सूचना से जलवायु परिवर्तन से जुड़े वे सवाल फिर उठ खड़े हुए हैं कि कहीं सच में ऐसी आपदाओं का फर्जी डर तो नहीं दिखाया जा रहा है।

या फिर नुकसान करने की बजाय यह परिवर्तन पृथ्वी के वातावरण में संतुलन बनाने के लिए तो नहीं होता है। उत्तराखंड में सामने आए हिमनद का पता देहरादून स्थित वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने उपग्रही आंकड़ों और अन्य तकनीकों के जरिए लगाया है। क्या ऐसा जलवायु परिवर्तन के सकारात्मक प्रभावों से हुआ है- इसके जवाब में इन भूवैज्ञानिकों का मत है कि यह विचित्र घटना पर्यावरणीय असंतुलन यानी हाइड्रोलॉजिकल इंबैलेंस का परिणाम है जिसकी वजह से बर्फ की परतें कमजोर हो जाती हैं और वे अस्थिर होकर बड़े इलाके में फैल जाती हैं। बाढ़, सूखे, चक्रवात, भीषण गर्मी या सर्दी समेत तमाम तरह के मौसमी असंतुलन भी जलवायु परिवर्तन की अराजकताओं के नतीजे में पैदा होते हैं। बीते वर्षों में भारतीय उपमहाद्वीप से लेकर कई यूरोपीय देशों ने जैसी भीषण गर्मी और बाढ़ की त्रासदियां झेली हैं, उनमें यह असंतुलन दिखाई दे रहा है।

इन्हीं घटनाओं के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस बयान दे चुके हैं कि हमारी पृथ्वी गंभीर किस्म की जलवायु अराजकता की ओर बढ़ रही है। जलवायु संकटों पर निगाह डालें तो बीते कुछ वर्षों में दुनिया में काफी उथल-पुथल हो गई। हाल के चार वर्षों में कोरोना वायरस के कारण लगे प्रतिबंधों का धरती की जलवायु पर सकारात्मक असर हुआ था। तब उम्मीद की जाने लगी थी कि इन सार्थक तब्दीलियों से सबक लेते हुए पटरी पर लौट रही अर्थव्यवस्थाएं विकास का ऐसा रास्ता चुनेंगी, जिसमें धरती के सुंदर भविष्य की परिकल्पनाएं साकार हो जाएंगी। लेकिन पहले तो अमेरिका-चीन के बीच तनातनी ने माहौल बिगाड़ा व बाद में रूस-यूक्रेन जंग ने। विशेषज्ञों का दावा है कि पिछले जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (ग्लासगो) में जिन बातों को लेकर सहमति बनी थी, उन्हीं की दिशा में बहुत धीमी प्रगति हुई। दूसरी वजह वित्तीय संकट और ऊर्जा के वैश्विक विकल्पों के सीमित होने की घटनाओं से बनी। ये घटनाएं न होतीं तो संभवत: जलवायु परिवर्तन लक्ष्य हासिल करने की राह आसान होती।

विकास बनाम पर्यावरण संकट के रिश्तों की बात करें तो तय है, जैसी धरती हमें सदियों पहले मिली थी, वह हमेशा वैसी नहीं रह सकती। विकास की कुछ कीमत पर्यावरण को अदा करनी ही थी। लेकिन धरती और इसकी आबोहवा औद्योगिक क्रांति के डेढ़ सौ बरस में ही इतना ज्यादा बदल गयी कि वैसा कुछ पृथ्वी पर जीवन के विकास के हजारों साल में कभी नहीं हुआ। चार दशक पहले जिनेवा में आयोजित पहले जलवायु परिवर्तन सम्मेलन से मिलती है, जिसमें जुटे विज्ञानियों ने पहली बार जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे मौसमी बदलावों पर औपचारिक रूप से चिंता जताई थी। हाल के वर्षों में जलवायु विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अब अगर जल्द ही जलवायु परिवर्तन से निपटने की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं बनाई गई तो इंसान नामक प्रजाति के विलुप्त होने का खतरा हो सकता है क्योंकि क्लाइमेट इमरजेंसी का वक्त आ पहुंचा है। इसका अंदाजा वर्ष 2022 में पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ व यूरोप के कई देशों में ऐतिहासिक गर्मी पड़ने से नदियों के सूखने से लगता है। जलवायु परिवर्तनों के बदलावों को कई वैज्ञानिक अध्ययनों में दर्ज किया गया है।

ब्रिटेन विश्व में ऐसा पहला देश है जिसने पांच साल पहले 1 मई, 2019 को लंदन में हुए एक आंदोलन के बाद प्रस्ताव पारित करते हुए देश में सांकेतिक तौर पर जलवायु आपातकाल घोषित किया था। मई 2019 में ही आयरलैंड ऐसा करने वाला दूसरा देश बना था जिसकी संसद ने 'जलवायु आपातकाल' घोषित कर दिया था। साथ ही संसद से आह्वान किया था कि आयरिश सरकार जांच करके पता लगाए कि उसकी कौन सी नीतियों के कारण जैव-विवधता को नुकसान पहुंच रहा है और भरपाई के लिए क्या बदलाव किए जाएं। जलवायु आपातकाल लगाने के फैसले के पीछे लंदन में हुए जिस आंदोलन की भूमिका है, उसे वहां जिस समूह ने चलाया था उसका लक्ष्य साल 2025 तक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन सीमा शून्य पर लाने और जैवविविधता के नुकसान को समाप्त करना है। दरअसल पृथ्वी का हम इंसानों ने बेदर्दी से दोहन किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, पृथ्वी के वायुमंडल में पहले से ज्यादा जहरीली गैसें और गर्मी घुल गई है। कोई अपवाद छोड़ दें तो इस गर्मी के चलते गंगोत्री और अंटार्कटिका जैसे ग्लेशियर तेजी से पिछल रहे हैं। तितलियों, मधुमक्खियों, मेंढक व मछली प्रजातियों, चिड़ियों, दुर्लभ सरीसृपों और अन्य जीव-जंतुओं की सैकड़ों किस्में हमेशा के लिए विलुप्त हो गई हैं।

घर पर ही तैयार करें गुड़ की चिक्की

सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है। ऐसे में लोगों ने अपने खानपान से लेकर पहनावे तक में बदलाव करना शुरू कर दिया है। इस मौसम में लोग अपने स्वास्थ्य और सेहत पर ज्यादा ध्यान देते हैं। उसी के हिसाब से कपड़े पहनते हैं और उसी हिसाब से खाते भी हैं। इस मौसम में लोग गुड़ खाना काफी ज्यादा पसंद करते हैं, क्योंकि गुड़ की वजह से शरीर में गर्मी बनी रहती है। गुड़ का सेवन कई तरीके से किया जाता है। इसमें से सबसे अच्छा तरीका है गुड़ की चिक्की बनाना। गुड़ की चिक्की बनाना काफी आसान रहता है। ऐसे में इसे आप भी आसानी से घर पर तैयार कर सकते हैं। क्योंकि घर पर बनी गुड़ की चिक्की खाने में काफी स्वादिष्ट होती ही है और साथ में इसमें किसी भी तरह की मिलावट भी नहीं होती।

सामान गुड़ - 250 ग्राम (चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ), मूंगफली - 100 ग्राम, घी - 1 चम्मच।

विधि

गुड़ की चिक्की बनाने के लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में मूंगफली को हल्का सा भून लें। मूंगफली को भूनने के बाद उसका छिलका जरूर उतार लें। वरना चिक्की का टेस्ट अलग रहेगा और ये दिखने में भी अजीब लगेगी। मुंगफली भूनने के बाद अब दूसरी कढ़ाई में गुड़ और घी डालकर इसे धीमी आंच पर पकने दें। जब गुड़ पूरी तरह से घुलकर एक चाशनी जैसा गाढ़ा हो जाए, इसमें इलायची पाउडर डाल सकते हैं। जब गुड़ की चाशनी तैयार हो जाए तो इसमें मूंगफली डालकर अच्छे से मिला लें। ध्यान रखें कि इसे आपको लगातार चलाते रहना है। आखिर में एक प्लेट में घी लगाकर मिश्रण को डालें और चपटा कर लें। इसे सेट होने दें। जब चिक्की ठंडी हो जाए, तो इसे छोटे टुकड़ों में काट लें।

मक्के की रोटी और साग खाकर आ जाएगा मजा

मक्के के लिए सामग्री मक्के का आटा 2 कप, पानी आवश्यकतानुसार, नमक स्वाद अनुसार, घी या तेल।

सर्दियों का मौसम आते ही खाने-पीने में बदलाव हो जाता है। इस मौसम में बाजारों में तमाम सब्जियां आने लगती हैं, जो खाने के स्वाद को कई गुना बढ़ा देती हैं। गाजर, मटर, मेथी, गोभी से लेकर सरसों, चने और बथुआ का साग भी इस मौसम में बाजारों में मिलने लगता है। सब्जियां तो बनाना आसान ही होता है लेकिन जब बारी आती है साग बनाने की तो ये काम लोगों को काफी कठिन लगता है। ऐसे में आप सर्दियों की शुरुआत से ही अपने परिवारवालों को साग बनाकर खिलाना चाहिए। इसे आमतौर पर गुड़ और मक्खन के साथ परोसा जाता है, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। सरसों का साग स्वास्थ्य के लिए भी काफी लाभदायक होता है। ऐसे में इसके सेवन से आपका शरीर भी दुरुस्त रहेगा।

विधि

मक्के की रोटी बनाने के लिए सबसे पहले मक्के के आटे में नमक डालें और धीरे-धीरे पानी डालते हुए नरम आटा गूंथ लें। अब इस आटे को 10-15 मिनट के लिए ढककर रख दें, ताकि आटा सेट हो जाए। अब गीले हाथों से आटे की लोइयां बनाएं और हर लोई को बेलन से बेल लें। अगर बेलते समय आटा चिपक जाए, तो थोड़ा सूखा मक्का आटा छिड़क सकते हैं। तवा गरम करें और रोटी को तवे पर डालकर दोनों ओर अच्छे से सेंकें। ये रोटी गरमा गर्म ही अच्छी लगेगी।

साग की विधि

सामान सरसों के पत्ते 2 कप, पालक के पत्ते 1 कप, बथुआ के पत्ते 1/2 कप, हरी मिर्च 2-3 पीस, अदरक 1 इंच, लहसुन 4-5 कलियां, प्याज 1 पीस, टमाटर 2 पीस, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर 1/2 टीस्पून, जीरा 1/2 टीस्पून, मक्खन 2 बड़े चम्मच, तेल 1-2 बड़े चम्मच।

साग बनाने के लिए सबसे पहले सरसों के पत्तों को अच्छे से धोकर बारीक काट लें। उबालने के बाद एक पैन में पानी उबालें और उसमें सरसों, पालक और बथुआ के पत्ते डालकर 5-7 मिनट तक उबालें। फिर इन्हें ठंडा कर के पीस लें। इसके बाद एक कढ़ाई में तेल गरम करें, उसमें जीरा डालें। फिर अदरक, लहसुन, हरी मिर्च और प्याज डालकर भूनें। अब जब प्याज हल्का भूरा हो जाए, तब टमाटर डालें। जाएं। आखिरी में मक्खन और पकने दें। अब डालकर अच्छे से मिला पीसा हुआ साग, लें। साग को नमक, हल्दी उबालने के पाउडर दौरान डालकर बीच-बीच अच्छे से में चलाते मिला लें। रहें ताकि इसे धीमी यह जलने आंच पर न पाए। बनने 15-20 मिनट के बाद इसे तक पकने दें, ताकि गरमा गरम रोटी के सारे मसाले अच्छे से साग में मिल साथ परोसें।

हंसना मना है

बाप: मेरे 4 बच्चे है, पहला एमबीए, दूसरा एमसीए, तीसरा पीएचडी, चौथा चोर है। फ्रेंड: चोर को घर से निकालते क्यू नहीं? बाप: वही तो कमाता है, बाकी सब बेरोजगार है।

संता- यार मुन्नू, पत्नी को बेगम क्यों कहा जाता है? बंता- क्या है की शादी के बाद सारे गम पति के हो जाते है। तो पत्नी बेगम हो जाती है।

रुपेश: पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं, पापा: क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? रुपेश: हां, पापा: जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

पहला दोस्त- यार मैंने अपनी बहन की डायमंड रिंग चुराकर गर्लफ्रेंड को दे दी, दुसरा दोस्त- हरामखोर, दो दिन पहले खरीदकर दी थी तेरी बहन को, पहला दोस्त- अबे मारता क्यों है बे साले तेरी बहन को ही तो दी है।

लड़की- कितना प्यार करते हो मुझसे? लड़का- शाहजहां जैसा, लड़की-तो ताजमहल बनवाओ, लड़का- जमीन खरीद ली है, बस तुम्हारे मरने का इंतजार कर रहा हूं।

कहानी — कबूतर और चींटी

गर्मियों का मौसम था, एक चींटी को बहुत तेज प्यास लगी थी। वह पानी की खोज में यहां-वहां भटकने लगी। कुछ ही देर में वह एक नदी के पास पहुंच गई। लेकिन चींटी सीधे उस नदी में नहीं जा सकती थी। इस वजह से वह एक छोटे से पत्थर पर चढ़ गई और वहीं से झुककर नदी का पानी पीने की कोशिश करने लगी। जैसे ही चींटी पानी पीने के लिए नीचे की तरफ झुकी वह नदी में गिर पड़ी। उसी नदी के किनारे एक पेड़ पर बैठा कबूतर यह सब देख रहा था। उसे चींटी की हालत पर दया आ गई और उस कबूतर ने चींटी को बचाने की योजना बनाई। उसने जल्दी से पेड़ की डाली से एक पत्ता तोड़कर नदी के पानी में बह रही चींटी के पास फेंक दिया। चींटी उस पत्ते पर चढ़कर बैठ गई और जब वह पत्ता नदी के किनारे पहुंचा, तो वह पत्ते से कूदकर जमीन पर आ गई। चींटी ने अपनी जान बचाने के लिए कबूतर को धन्यवाद किया और वहां से चली गई। कुछ दिनों के बाद उसी नदी के किनारे एक शिकारी आया। उसने कबूतर के घोंसले के पास अपना जाल बिछा दिया। जाल पर दाने फैलाकर वह पास के एक झाड़ी में छिपकर बैठ गया। कबूतर शिकारी और उसके जाल को नहीं देख सका। उसने जमीन पर जब दाना देखा, तो वह उसे चुगने के लिए नीचे उतर गया और शिकारी के जाल में फंस गया। उसी समय चींटी भी वहां आ गई थी। उसने कबूतर को शिकारी के जाल में फंसता हुआ देख लिया था। बेचारा कबूतर लाख प्रयास करने के बाद भी शिकारी के जाल से नहीं निकल पाया। इसके बाद शिकारी आया और जाल में फंसे कबूतर को उठाकर चलने लगा। तभी चींटी ने कबूतर की जान बचाने का फैसला किया। चींटी दौड़ती हुई आई और उसने शिकारी के पैर में काटना शुरू कर दिया। चींटी के काटने के कारण शिकारी को बहुत तेज दर्द होने लगा। उसने जाल को नीचे फेंक दिया और अपना पैर साफ करने लगा। इसी बीच मौका पाते ही कबूतर जाल से निकल गया और वह तेजी से उड़ गया। इस तरह चींटी ने कबूतर की जान बचा ली।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। व्यापार ठीक चलेगा।

वृषभ

आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है।

मिथुन

जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। प्रमाद से बचें।

कर्क

बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा। बेचैनी रहेगी।

सिंह

कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

कन्या

मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

तुला

दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। स्वास्थ्य पर बड़ा खर्च हो सकता है।

मकर

विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

कुम्भ

समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन

आज लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

बॉलीवुड | लाइनअप

बॉलीवुड के अलावा साउथ में भी बजेगा कियारा का डंका

कियारा आडवाणी के पास कई आगामी प्रोजेक्ट्स हैं, जिनमें वे नजर आने वाली हैं। इस लिस्ट में निर्देशक फरहान अख्तर की डॉन 3, राम चरण के साथ फिल्म गेम चेंजर, ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ फिल्म वॉर 2 और हो सकता है कि कियारा भूल भुलैया 4 का भी हिस्सा बन सकती हैं। राम चरण की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म गेम चेंजर, जिसकी रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। काफी लंबे समय बाद फिल्म का टीजर और ट्रेलर रिलीज हुआ, जिसने प्रशंसकों के उत्साह को और भी बढ़ा दिया। फिल्म का गाना पहले ही धूम मचा चुका है। गेम चेंजर में राम चरण आईएएस ऑफिसर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म में वो बाप और बेटे दोनों का किरदार निभाते नजर आएंगे। फिल्म में कियारा आडवाणी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह पहली बार है जब राम चरण और कियारा आडवाणी एक साथ फिल्म में नजर आएंगे। गेम चेंजर 10 जनवरी 2025 को रिलीज होगी। डॉन 3 का निर्देशन फरहान अख्तर कर रहे हैं। इस बार डॉन में डॉन की भूमिका में रणवीर सिंह नजर आएंगे। इस फिल्म में रणवीर के अलावा कियारा आडवाणी की एंट्री भी हो गई है। हालांकि, फिल्म कब रिलीज होगी अभी तक इसकी कोई रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन हो सकता है कि यह फिल्म 2025 को रिलीज हो जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बार फिल्म की कहानी में डॉन कैसे बना डॉन पर बेस्ड होगी। वॉर 2 में ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की जोड़ी नजर आएगी। ऐसा पहली बार है जब किसी फिल्म में ऋतिक के साथ जूनियर एनटीआर नजर आएंगे। इस फिल्म में ऋतिक और जूनियर एनटीआर के अलावा कियारा आडवाणी भी नजर आएंगी। वॉर 2 का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं। इन सभी फिल्मों के अलावा कियारा भूल भुलैया 4 में भी नजर आ सकती हैं। कियारा फिल्म भूल भुलैया 2 में भी थीं। भूल भुलैया 3 की आपार सफलता के बाद ही यह जानकारी सामने आई थी कि फिल्म का चौथा भाग भी आएगा। लेकिन अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

स्टारडम के लिए न करें फिल्में

श्रद्धा कपूर की युवाओं को सलाह

श्रद्धा कपूर ने इस साल सिने प्रेमियों को स्त्री 2 जैसी शानदार फिल्म दी। हॉरर कॉमेडी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के तमाम रिकॉर्ड ध्वस्त कर डाले। फैंस को श्रद्धा की अब अगली फिल्म का इंतजार है। सिनेमा और फिल्मों को लेकर श्रद्धा जरा हटकर सोचती हैं। उनका कहना है कि उन्हें इंतजार करना मंजूर है, लेकिन वे सही प्रोजेक्ट मिलने पर भी हां करेंगी। इसके अलावा वे युवा कलाकारों को भी सुझाव देती दिखीं। श्रद्धा कपूर हाल ही में रेड सी फेस्टिवल में जलवा बिखेरती नजर आईं, जहां उन्होंने सिनेमा पर बात की। श्रद्धा कपूर ने हाल ही में सऊदी अरब के जेद्दा में रेड सी फिल्म फेस्टिवल 2024 में अपने स्टाइलिश अंदाज से चार चांद लगा दिए। एंड्रयू गारफील्ड के साथ पोज दिए। इसके अलावा वे कई और इंटरनेशनल स्टार्स के साथ नजर आईं। इस दौरान अभिनेत्री ने भारतीय सिनेमा के भविष्य और किरदारों को चयन करने की अपनी पसंद पर भी बात की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है अभी सर्वश्रेष्ठ आना बाकी है। ऐसा बहुत कुछ है, जो मैं करना चाहती हूं। श्रद्धा कपूर ने फेस्टिवल के दौरान कहा मैं अलग-अलग किस्म की फिल्में करना चाहती हूं, अलग-अलग किस्म के किरदार मुझे करने हैं। श्रद्धा ने किरदारों के चयन को लेकर कहा कि इस दौरान सेलेक्टिव होना जरूरी है। अभिनेत्री ने कहा कि सही प्रोजेक्ट के लिए उन्हें इंतजार करना मंजूर है, बजाय इसके कि वह कोई ऐसा काम करें जो उनके साथ मेल नहीं खाता। उन्होंने कहा, मुझे जो पसंद न हो उस तरह की बैक टू बैक फिल्में करने के बजाय मुझे कोई फिल्म नहीं करना पसंद है। मुझे इसमें कोई दिक्कत नहीं। इसलिए मैं एक अभिनेता के तौर पर ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो मेरे लिए अलग हों। यही मेरी इच्छा है। अभिनेत्री श्रद्धा कपूर से पूछा गया कि वे युवा कलाकारों और निर्देशकों को क्या सलाह देना पसंद करेंगी? इस पर उन्होंने कहा कि स्टारडम की बजाय क्राफ्ट पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। श्रद्धा ने कहा, ग्लैमर के लिए फिल्में न करें। अगर आप कलाकार बनना चाहते हैं, तो ग्लैमर सिर्फ 10 प्रतिशत है। शेष 90 प्रतिशत आपका हार्ड वर्क है।

मैं केवल अपने दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं : कार्तिक

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 इस साल की ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर लगातार कई फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़े हैं। इस फिल्म की आपार सफलता के बावजूद भी अभी भी कार्तिक को काफी संघर्ष करना बाकी है। कार्तिन ने स्टारडम के लिए अपने रास्ते को बनाने में आने वाली चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। कार्तिक ने कहा कि भूल भुलैया 3 जैसी बड़ी हिट देने के बाद भी, उन्हें अपनी भविष्य की फिल्मों के लिए फिल्म उद्योग से किसी भी तरह के समर्थन की उम्मीद नहीं है। उनके लिए उनके दर्शक मायने रखते हैं, ना कि फिल्म इंडस्ट्री के वे लोग जो उन्हें ठोकर खाने का इंतजार करते देखना चाहते हैं। कार्तिक ने कहा कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपने दम पर अपना रास्ता खुद बनाया है। कार्तिक ने कहा, मैं एक अकेला योद्धा हूं। आज आप जो घर देख रहे हैं मैंने इसे अपने पैसों से खरीदा है। मैंने यहां तक पहुंचने के लिए पागलों की तरह संघर्ष किया है और यह अभी भी खत्म नहीं हुआ है। मुझे इस बात का पूरा भरोसा है कि मुझे आगे की राह के लिए कोई इंडस्ट्री सपोर्ट नहीं मिलेगा और मैं इस बात को स्वीकार कर चुका हूं कि भूल भुलैया 3 में एक बड़ी हिट देने के बावजूद, कोई भी मेरे पीछे नहीं आएगा। मुझे अभी भी अपनी अगली फिल्म के लिए संघर्ष करना है। कार्तिक ने कहा, मुझे लगता है कि हर कोई इसे महसूस कर सकता है। अपने सफर में मैं कुछ बेहतरीन लोगों से मिला हूं, लेकिन यह एक बड़ा वर्ग है और मैं कभी भी उनका दिल नहीं जीत पाऊंगा। मुझे उन्हें जीतने की कोई इच्छा नहीं है। मैं केवल अपने दर्शकों का दिल जीतना चाहता हूं। क्योंकि वे ही एकमात्र लोग हैं, जो मेरा समर्थन करते हैं। मुझे बस यही चाहिए।

इस कुंड में ताली बजाने मात्र से ऊपर आ जाता है पानी

आपने आज तक बहुत से जल कुंडों के बारे में सुना होगा। कई जल कुंडो की अपनी कहानी है। कोई जल कुंड अपने श्राप के लिए प्रसिद्ध है तो कोई भविष्य में आने वाली आपदा के बारे में संकेत देने के लिए। लेकिन क्या आपने कभी ऐसे कुंड के बारे में सुना है जिसके पास अगर आप ताली बजाए तो उसका पानी ऊपर आ जाता है इतना ही नहीं क्या आपने कभी ऐसा कुंड देखा है जो गर्मियों में ठंडा पानी देता है और सर्दियों में गर्म पानी। जाहिर सी बात है आपका जवाब ना होगा लेकिन हम आपको ऐसे ही कुंड के बारे में बताने जा रहे है। झारखंड के बोकारो जिल में स्थित इस कुंड की खासियत है कि अगर आप अगर यहां पर ताली बजाएंगे तो पानी अपने आप ऊपर उठने लगता है। लोगों की मानें तो इस दौरान आपको ऐसा लगेगा कि जैसे किसी बर्तन में पानी उबल रहा है। बोकारो सिटी से 27 किलोमीटर दूर स्थित इस कुंड को लोग दलाही कुंड के नाम से जानते है। यह कुंड चारों तरफ से कंक्रीट की दीवारों से घिरा हुआ है। इस कुंड में नहाने लोग काफी दूर दूर से आते है। इस कुंड को लेकर कई रिसर्च हुए आखिर ताली बजाने से पानी ऊपर कैसे उठता है लेकिन कोई भी आज तक यह नहीं बता पाया कि आखिर इसका राज किया है। दलाही कुंड के बारे में लोगों की मान्यता है कि इस कुंड के पानी में जो कोई भी मन्नत मागता है उसकी सारी मनोकामना पूरी हो जाती है। इतना ही नहीं कहा जाता है कि अगर कोई व्यक्ति इस कुंड में एक बाक नहां ले को उसे कभी चर्म रोग जैसी घातक बीमारी नहीं होती। इस कुंड का पानी एकदम साफ रहता है। वहीं वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर इस कुंड में नाहने से चर्म रोग जैसी बीमारी नहीं होती तो इसका मतलब है कि इस कुंड के पानी में गंधक और हीलियम गैस मौजूद है। वहीं कुंड से निकला पानी एक नाले में जाता है जिसका नाम जमुई है। इसके बाद इस कुंड का पानी नाले से होता हुआ गरगा नदी में मिल जाता है। हालांकि आज तक कोई यह तो साबित नहीं कर पाया कि आखिर ताली बजाने से कुंड का पानी ऊपर कैसे आता है लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि संभवत- ताली बजाने से जो ध्वनि तरंग उत्पन्न होती है उसके कारण ऐसा होता हो।

अजब-गजब | इस रेगिस्तान में बने हैं पैरों के अद्भुत निशान

5 करोड़ 50 लाख साल पुराना है रेगिस्तान

दुनिया में ऐसा कोई इंसान नहीं होगा, जिसने कभी भगवान को देखा हो। बावजूद इसके हमें भगवान की पूजा अर्चना करते हैं और उसके अस्तित्व को स्वीकार करते हैं। कई बार ये बात भी सुनने को मिलती है कि देवताओं के पैरों के निशान भी दुनिया में मौजूद है। यही नहीं कुछ लोग इसके बारे में परियों के नाचने की बातें भी करते हैं। ऐसा ही कुछ कहा जाता है अफ्रीका के नामीब रेगिस्तान में मौजूद गोलाकार आकृतियों के बारे में। लाखों की संख्या में मौजूद इन आकृतियों के बारे में कहा जाता है कि ये ये भगवान के पैरों के निशान हैं। दरअसल, दक्षिण-पश्चिमी अफ्रीका के अटलांटिक तट से लगा नाबीम रेगिस्तान में धरती के सबसे सूखे स्थानों में से एक है। जिसको स्थानीय नामा भाषा में मतलब उस स्थान से हैं जहां कुछ भी न हो। ये रेगिस्तान मंगल ग्रह की तरह दिखाई देता है। जहां रेत के टीले हैं, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ हैं और 81 हजार वर्ग किलोमीटर में फैले बजरी के मैदान हैं। कहा जाता है कि ये रेगिस्तान पांच करोड़ 50 लाख साल पुराना है जो दुनिया का सबसे पुराना रेगिस्तान है। वहीं सहारा रेगिस्तान 20 से 70 लाख साल पहले का है। यहां गर्मियों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है और रातें इतनी ठंडी होती हैं कि बर्फ जम जाती है। ये स्थान बिल्कुल भी रहने लायक नहीं है। लेकिन कई प्रजातियों ने यहां पर अपने घर बनाए हैं। ये रेगिस्तान दक्षिणी अंगोला से नामीबिया होते हुए 2,000 किलोमीटर दूर दक्षिण अफ्रीका के उत्तरी हिस्से तक फैला है। नामीबिया के लंबे अटलांटिक तट पर समुद्र से मिलता है। ऐसा लगता है मानो पूरब की ओर रेत का अंतहीन समुद्र फैला हो, जो दक्षिण अफ्रीका के 160 किलोमीटर अंदर विशाल ढलान तक जाता है। इस रेगिस्तान के सबसे सूखे हिस्सों में साल में औसतन सिर्फ दो मिलीमीटर बारिश होती है। और कभी-कभी कई साल बिल्कुल बारिश नहीं होती। फिर भी ओरिक्स, स्प्रिंगबॉक, चीता, लकड़बग्घा, शुतुरमुर्ग और जेब्रा ने यहां की कठोर परिस्थितियों में खुद को ढाल लिया है। शुतुरमुर्ग पानी के नुकसान को कम करने के लिए अपने शरीर के तापमान को बढ़ा लेते हैं। हार्टमैन के पहाड़ी जेब्रा कुशल पर्वतारोही हैं जिन्होंने रेगिस्तान के बीहड़ इलाकों में खुद को ढाल लिया है। ओरिक्स बिना पानी पिए सिर्फ पौधे की जड़ और कंद खाकर हफ्तों तक जिंदा रह सकते हैं। यहां की सबसे हैरान करने वाली बड़ी पहेली एक भू-आकृति है जिसे परियों का घेरा कहा जाता है। एक खास प्रजाति के घास से घिरे गोल-गोल घेरों में कोई पौधा नहीं होता। पूरे नामीब रेगिस्तान में ऐसे लाखों घेरे हैं जो कई दशकों से विशेषज्ञों को चकित किए हुए हैं। इन घेरों को आसमान से देखना सबसे अच्छा है। नामीब के अंतहीन रेगिस्तान में हर जगह ये घेरे दिखते हैं, जो कई बार चेचक के धब्बों की तरह लगते हैं।

छोटे दुकानदारों को कारोबार से बाहर करने की साजिश : राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष ने दिल्ली में किराने की दुकान का किया दौरा

» बोले- जीएसटी ने इन कारोबारियों की मुसीबतें और बढ़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया कि बड़ी कंपनियां एकाधिकार बना रही हैं ताकि छोटे दुकानदारों को कारोबार से बाहर किया जा सके। उन्होंने हाल ही में दिल्ली के भोगल इलाके में किराने की एक दुकान दौरा किया था जिसका वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया,देश में लगभग 1.5 करोड़ किराना दुकानें हैं और क़रीब 15 से 20 करोड़ परिवार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इन दुकानों पर निर्भर होंगे।

पिछले दिनों दिल्ली के भोगल स्थित एक ऐसी ही दुकान में जाकर वहां के दुकानदारों, काम करने वाले कामगारों और कुछ ग्राहकों से बातचीत की। उनके मुताबिक, दुकान के मालिकों ने मुझे बताया कि क्विक कॉमर्स बिजनेस के आने के बाद से वे काफ़ी दबाव में हैं। बड़ी कंपनियां एकाधिकार बना रही हैं ताकि छोटे दुकानदारों को कारोबार से बाहर किया जा सके। राहुल गांधी ने कहा कि जीएसटी ने उनकी मुसीबतें और बढ़ा दी है अब उन्हें अत्यधिक टैक्स भी देना पड़ रहा है। उन्होंने कहा,"किराने की दुकानों के इस नेटवर्क में बड़ी संख्या में श्रमिकों को नौकरी मिलती है। ऐसे ही नेटवर्क और छोटे बिजनेसेस हमारे देश की अर्थव्यवस्था को थाम कर रखे हुए हैं। इसीलिए मैं लगातार इन्हें मज़बूत करने की बात कर रहा हूं।

राहुल-प्रियंका से मिले संभल के पीड़ित परिवार

उत्तर प्रदेश के संभल मे पिछले दिनो हिंसा मे जान गंवाने वाले कुछ लोगो के परिजनो ने लोकसभा मे नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की। यह मुलाकात कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आधिकारिक निवास 10 जनपथ पर हुई। सूत्रो का कहना है कि कांग्रेस के दोनो प्रमुख नेताओ ने इन पीड़ित परिवारो को ढांढस बंधाया और न्याय के लिए पूरे सहयोग का भरोसा दिया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी गत चार दिसंबर को संभल के पीड़ितो से मिलने रवाना हुए थे लेकिन उत्तर प्रदेश प्रशासन ने उन्हे रास्ते मे रोक दिया था।

बीजेपी ने ममता को विपक्ष को परेशान करने का काम सौंपा : शुभंकर

कोलकता। भाजपा ने ममता बनर्जी को विपक्ष को परेशान करने का काम सौंपा है। यह आरोप किसी और ने नहीं बल्कि बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार ने गठबंधन का नेतृत्व करने को लेकर इंडिया गुट में खींचतान के बीच दावा किया है। उन्होंने कहा कि ममता भाजपा के साथ मिली हुई हैं। शुभंकर ने लिखा कि हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने एक साक्षात्कार में स्पष्ट रूप से इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने की इच्छा व्यक्त की।

संसद के बाहर विपक्ष के विरोध-प्रदर्शन करने पर भड़के भाजपा नेता

राहुल गांधी का व्यवहार नेता प्रतिपक्ष पद के अनुरूप नहीं : प्रहलाद जोशी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलो पर संसद नही चलने देने का आरोप लगाया और विरोध-प्रदर्शन करने के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के तरीके की आलोचना करते हुए कहा कि उनका व्यवहार नेता प्रतिपक्ष पद के अनुरूप नही है। कई विपक्षी सांसदो ने संसद परिसर मे अदाणी के मुद्दे पर प्रदर्शन किया, जिसमे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अरबपति गौतम अडानी के व्यंग्यात्मक चित्र छपे काले झोले थे और मोदी अदाणी, भाई-भाई लिखा था। इससे एक दिन पहले भी इंडिया के घटक दलो ने संसद परिसर मे विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान गांधी ने एक छद्म (मॉक) साक्षात्कार लिया जिसके तहत उन्होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उद्योगपति गौतम अदाणी का मुखौटा पहने कांग्रेस सांसदो से प्रतीकात्मक रूप से सवाल-जवाब किए। विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सरकार गठन के बाद से व्यावहारिक रूप से यह संसद का पहला पूर्ण सत्र है लेकिन विपक्ष इसे नही चलने दे रहा है जो उनकी असहिष्णुता को दर्शाता है। उन्होने संसद परिसर मे कहा, वे पाप करते है और बाद मे सरकार पर आरोप लगाते है कि वह इसे काम नही करने दे रही है।

जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अमिताभ ठाकुर

» एफआईआर दर्ज कराने की मांगी अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव के खिलाफ सोशल एक्टिविस्ट और पूर्व आईपीएस अधिकारी ने सप्रीम कोर्ट से उनके विरद्ध एफआईआर दर्ज करवाने की अनुमति मांगी है। अमिताभ ठाकुर एक चर्चित अधिकारी है और मौजूदा समय में एक राजनीतिक दल भी चला रहे हैं।

पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकु र ने सुप्रीम कोर्ट में लिखित दस्तावेज के मार्फत मुख्य न्यायाधी से अपील की है कि भारत के मुख्य न्यायधीष इस संबध में कोर्ट की इनआउस कमेटी से जांच कराये और उन्हेंएफआईआर दर्ज करावने हेतू नियमानुसार अनुमाति दें। उन्होंने बताया

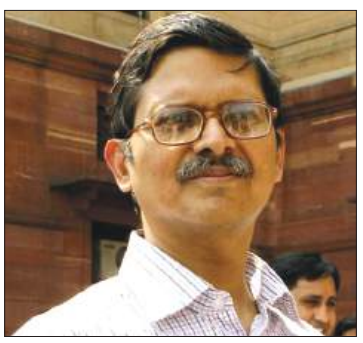

कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से जांच में प्राप्त प्रशासनिक कदाचार के तत्थ्यो के संबध में समुचिक विधिक कार्रवाई किये जाने की प्रार्थन की है। दरअस्ल जस्टिस शेखर कुमार यादव लंबे समय से टीवी चैनल और यूटयूब चैनल पर गैर संवैधानिक इंटरव्यू दे रहे हैं। हाल ही में उन्होंने लंबे इंटरव्यू दिये हैं जो अमिताभ ठाकुर को अखर रहे हैं।

कृषि में इस्तेमाल होने वाली दवाएं भी नकली!

» दवा डालने के बाद बर्बाद हो गयी आलू की फसल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में किसानों ने दावा किया है कि नकली दवा से उनकी आलू की फसल बर्बाद हो गई। उन्होंने अधिकारियों से दवा विक्रेताओं पर कार्रवाई करने की गुहार भी लगाई है। किसान जब्बार ने बताया कि वह नौशाद की दुकान से आलू की फसल में डालने के लिए दावा लाए थे। उसने पुरानी और नकली दवा दे दी जिस कारण फसल नहीं हुई है। उन्होंने कहा, गुरसहायगंज से नकली दवा लाकर हमें दे दी। जिस कारण हमारी नौ बीघे की आलू की फसल बर्बाद हो गई।

दुकानदार से हमने शिकायत भी की है, लेकिन उसने अनसुनी कर दी। हमारा जुताई से लेकर लगवाई तक दो लाख रुपये का खर्च आया था। गांव के अन्य लोग भी इससे परेशान हैं। किसान बहार ने बताया कि वह भी नौशाद की दुकान से दवा लाए थे। उन्हें भी नकली दवा दी गई।

पूर्व राष्ट्रपति मुखर्जी को जयंती पर मोदी खरगे समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

» प्रणब बाबू एक महान राजनेता अद्भुत प्रशासक और ज्ञान के भंडार थे : पीएम मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने याद करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की। मोदी ने कहा, प्रणब मुखर्जी की जयंती पर उन्हें याद किया जा रहा है। प्रणब बाबू एक अद्वितीय सार्वजनिक व्यक्तित्व थे। वह एक महान राजनेता, एक अद्भुत प्रशासक और ज्ञान के भंडार थे। भारत के विकास में उनके योगदान अविस्मरणीय हैं। उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में आम सहमति बनाने की अद्वितीय क्षमता प्राप्त थी और यह उनके शासन में व्यापक अनुभव तथा भारत की संस्कृति और लोकाचार की गहरी समझ के कारण संभव हो सका।

हम अपने राष्ट्र के लिए उनके विजन को साकार करने के लिए काम करते रहेंगे। वहीं

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया, भारत के पूर्व राष्ट्रपति और दूरदर्शी नेता प्रणब मुखर्जी को हमारी विनम्र श्रद्धांजलि। भारत के आर्थिक सुधारों के प्रमुख वास्तुकार के रूप में प्रसिद्ध, विभिन्न मंत्री पदों पर उनकी अनुकरणीय सेवा ने राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। बता दें कि प्रणब मुखर्जी भारत के 13वें राष्ट्रपति रह चुके हैं। 26 जनवरी 2019 को प्रणब मुखर्जी को भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक थे।

रोहित-विराट का औसत 2024 में जडेजा से भी खराब

» हिटमैन इस साल 14 बार दहाई का आंकड़ा भी छूने से चूके

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज टीम इंडिया के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली का फॉर्म चिंता का विषय है। दोनों इस साल पूरी रंगत में नहीं दिखे हैं। एक वक्त 55 से ज्यादा की औसत से बल्लेबाजी करने वाले विराट का फॉर्म ऐसा गिरा कि उनका बल्लेबाजी औसत 47 के करीब पहुंच चुका है। वहीं, रोहित पिछली 12 पारियों से कोई शतक नहीं लगा सके हैं। उनका नहीं चलने से भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत तक नहीं मिल पा रही है।

टेस्ट में कम से कम 1000 रन बनाने वाले भारतीय कप्तानों में रोहित शर्मा का औसत दूसरा सबसे खराब है। रोहित ने बतौर कप्तान 32.42 की औसत से रन बनाए हैं। इस मामले में उनसे खराब औसत सिर्फ कपिल देव का है। कपिल ने बतौर टेस्ट कप्तान 31.72 की औसत से रन बनाए थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में साल 2024 में बल्लेबाजी लाइन अप के शीर्ष छह बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा बार दहाई का आंकड़ा नहीं छूने के मामले में रोहित संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं। इस लिस्ट में सबसे ऊपर बांग्लादेश के नजमुल शांतो हैं।

साल 2024 में रोहित और विराट दोनों का टेस्ट में औसत रवींद्र जडेजा से भी खराब रहा है। विराट ने इस साल 16 पारियों में 26.64 की औसत से 373 रन बनाए हैं। वहीं, रोहित ने 23 पारियों में 27.13 की औसत से 597 रन बनाए हैं। जडेजा ने इस साल 15 टेस्ट पारियों में 28.73 की औसत से 431 रन बनाए हैं। विराट और रोहित का औसत सिर्फ कुलदीप यादव, रविचंद्रन अश्विन और श्रेयस अय्यर से बेहतर है।

तीसरे टेस्ट से पहले भारतीय टीम ने किया जमकर अभ्यास

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट में मिली 10 विकेट से हार के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली की अगुआई में भारतीय बल्लेबाजों ने लाल गेंद से अभ्यास किया। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ब्रिसबेन में 14 दिसंबर से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। भारत को बुधवार को ब्रिसबेन पहुंचना है। भारत ने भी इस समय का उपयोग किया और मंगलवार को अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया जिससे वो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के अन्य मैचों में वापसी कर सके। ऑस्ट्रेलियाई टीम शनिवार से होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए ब्रिसबेन चली गई है, लेकिन भारत ने एडिलेड में लाल गेंद से अभ्यास का फैसला किया है। भारतीय टीम ने अपनी रक्षात्मक तकनीक और गेंदों को छोड़ने पर ध्यान दिया।

दिल्ली विस चुनाव में आप अकेले ठोकेगी ताल

» आप संयोजक केजरीवाल ने की घोषणा

» बोले- कांग्रेस और बीजेपी को आप देगी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने साफ कर दिया है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में आम आदमी पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा- आम आदमी पार्टी दिल्ली में अपने बलबूते पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन की संभावना नहीं है।

दरअसल, राजनीति के गलियारों में यह चर्चा तेज होने लगी थी कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर गठबंधन कर सकती है। दावा किया जा रहा था कि गठबंधन को लेकर दोनों पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व में बैठक भी हुई है और कहा जा रहा था कि आम आदमी पार्टी 15 सीट कांग्रेस को दे सकती है।

साफ हुई तस्वीर

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने हाल ही में बयान दिया था कि कांग्रेस सभी 70 सीटों पर मजबूती से लड़ेगी। देवेंद्र यादव ने कहा था कि हम पिछले छह महीने से यही कह रहे हैं, जब से लोकसभा चुनाव खत्म हुए हैं। इसमें कुछ भी नया नहीं है। हम लगातार कहते आ रहे हैं कि ऐसी सरकार, जिसका खामियाजा हम सही मायनों में लोकसभा में भुगत चुके हैं और इसलिए हम उनके साथ किसी भी तरह का संकट बंधन नहीं चाहते। दिल्ली की जनता परेशान है। मैं 54 विधानसभा क्षेत्रों में गया हूं उनके वादे पूरे नहीं हुए। इनकी सरकार के खिलाफ जनता में रोष है। हम शुरू से कह रहे हैं कि हमें कोई गठबंधन नहीं चाहिए। हम 70 में से 70 विधानसभा सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ने जा रहे हैं।

भाजपा और कांग्रेस ने भी शुरू की तैयारी

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी, भाजपा और कांग्रेस ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा परिवर्तन यात्रा के साथ मेरा बूथ सबसे मजबूत अभियान शुरू कर रही है।

वहीं, कांग्रेस की न्याय यात्रा अब अंतिम चरण में है। आम आदमी पार्टी ने 31 प्रत्याशियों को चुनाव के लिए मैदान में उतार दिया है।

2015 के चुनाव में आप ने रचा था इतिहास

दिल्ली में 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को 70 में से 67 सीटें मिली थीं, जबकि बीजेपी के खाते में सिर्फ तीन सीटें ही आई थीं। खास बात यह है कि कांग्रेस को दिल्ली में एक भी सीट नहीं मिली थी। इसके बाद 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में आप को 70 में से 62 सीटें मिलीं, जबकि आठ सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने कब्जा किया था। 2020 के चुनाव में भी कांग्रेस का खाता नहीं खुला था। अब देखना यह होगा कि अगर कांग्रेस इस बार भी अकेले चुनाव लड़ती है तो उसे कितनी सीटें मिलेंगी।

सिसोदिया को 'सुप्रीम' राहत

» जमानत की शर्त को हटाने का शीर्ष कोर्ट ने दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसौदिया को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आज दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में उन पर लगाई गई जमानत की शर्त को हटा दिया, जिसके तहत उन्हें सप्ताह में दो बार ईडी और सीबीआई के जांच अधिकारियों के सामने पेश होने की जरूरत थी।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने आदेश पारित करते हुए स्पष्ट किया कि सिसोदिया नियमित रूप से मुकदमे में शामिल होंगे। इसमें कहा गया कि हमें उक्त शर्त जरूरी नहीं लगती। सिसौदिया द्वारा दायर जमानत की शर्त इस प्रकार है द्यद्ध अपीलकर्ता को प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को सुबह 10-11 बजे के बीच जांच अधिकारी को रिपोर्ट करना होगा। संक्षेप में, 9 अगस्त को, अदालत ने सीबीआई और ईडी दोनों मामलों में सिसौदिया को जमानत दे दी थी दिल्ली एक्साइज पॉलिसी घोटाले से बाहर, सुनवाई शुरू होने में देरी और प्री-ट्रायल हिरासत की लंबी अवधि को जमानत की शर्तों के रूप में देखते हुए, अदालत ने सिसोदिया को दो जमानतदारों के साथ 10 लाख रुपये की राशि के जमानत बांड प्रस्तुत करने के लिए कहा इतनी ही राशि और अपना पासपोर्ट सरेंडर करने के लिए, उसे हर सोमवार और गुरुवार को सुबह 10-11 बजे के बीच जांच अधिकारी को रिपोर्ट करना होगा।

फोटो :4 पीएम

विमोचन एसएसआरआई की तरफ से भारतीय सुदूर संवेदन सोसाइटी का वार्षिक सम्मेलन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय में आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि मंत्री अनिल कुमार शामिल हुए इस मौके पर उन्होंने सोमिनार का विमोचन कर वैज्ञानिकों को सम्मानित किया।

बीजेपी की सदन चलाने की कोई इच्छा नहीं : प्रियंका

» संसद के शीतकालीन सत्र में हंगामे को लेकर कांग्रेस व भाजपा में ठनी

» शशि थरूर ने भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष ने संसद में व्यवधान का आरोप लगाते हुए बीजेपी पर निशाना साधा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने संसद के बाहर मीडिया से कहा कि बीजेपी की सदन चलाने की कोई इच्छा नहीं है और स्पीकर उन्हें उपकृत कर रहे हैं। यह चौंकाने वाला है कि सत्तारूढ़ दल सदन को बाधित कर रहा है।

इससे पहले, वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया था कि सरकार एक रणनीति के तहत लोकसभा को चलने नहीं दे रही है क्योंकि वह अडानी मुद्दे पर चर्चा करने से डरती है। उन्होंने यह भी कहा कि सत्तारूढ़ दल व्यापारिक समूह अडानी से जुड़े मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए कांग्रेस नेतृत्व पर जॉर्ज सोरोस के साथ संबंध होने का आरोप लगा रहा है। या तो सरकार सदन चलाना नहीं चाहती या फिर वे सदन चलाने में सक्षम नहीं हैं, हमारा विरोध प्रदर्शन सुबह 10:30 से 11 बजे तक है और फिर हम काम के लिए सदन के अंदर जाते हैं लेकिन काम नहीं हो रहा है। प्रियंका गांधी ने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद कहा। जैसे ही हम बैठते हैं वे सदन को स्थगित कराने के लिए कुछ करने लगते हैं।

सदन और समाज की सहमति हो तो एआई के उपयोग पर कानून लाने को तैयार : वैष्णव

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि अगर सदन और समाज की सहमति होगी तो सरकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग के संदर्भ में कानून लाने के लिए तैयार है। उन्होंने सदन में कांग्रेस सांसद अदूर प्रकाश के पूरक प्रश्न के उत्तर में यह जानकारी दी।अदूर प्रकाश ने सवाल किया था कि क्या एआई के उपयोग के विनियमन को लेकर सरकार की कोई कानून बनाने की योजना है? इस के जवाब में वैष्णव ने कहा कि सोशल मीडिया के इस दौर में दुनिया भर का समाज चुनौतियों का सामना कर रहा है तथा फर्जी समाचार और फर्जी विमर्श से जुड़ी चुनौतियां हैं। उनका कहना था कि इसे (कानून को) लेकर व्यापक सहमति की जरूरत है क्योंकि ये मुद्दे ऐसे हैं जिनसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जुड़ी है।

सभापति को लेकर फिर संसद में बरपा हंगामा

» धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा गरम

» रिजिजू बोले- ऐसा सभापति मिलना मुश्किल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का आज 12वां दिन है। संसद परिसर में विपक्षी सांसद तिरंगा और फूल लेकर पहुंचे और एनडीए सांसदों को दिए। वहीं, राज्यसभा में सभापति के खिलाफ लाए जा रहे अविश्वास प्रस्ताव पर हंगामा हुआ। सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक, इसके बाद अगले दिन तक स्थगित कर दी गई। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में कहा कि 72 साल बाद किसान का बेटा उपराष्ट्रपति बना। ऐसा सभापति मिलना मुश्किल है।

विपक्ष ने सदन की गरिमा गिराई है। जॉर्ज सोरोस और कांग्रेस के बीच रिश्ता क्या है, उन्हें ये बताया चाहिए। कांग्रेस को देश से माफी मांगनी चाहिए।11 दिसंबर को विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। विपक्षी सांसदों ने राज्यसभा के जनरल सेक्रेटरी पीसी मोदी को धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था। इस नोटिस में विपक्षी पार्टियों के 60 सांसदों के दस्तखत हैं।

विपक्षी सांसद फूल और तिरंगा लेकर संसद पहुंचे

विपक्षी सांसद फूल और तिरंगा लेकर संसद पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को फूल और तिरंगा दिया। विपक्षी सांसदों ने सत्ता पक्ष के सांसदों को फूल और तिरंगा दिया।

राहुल गांधी हमारे नेता : संजय राउत

राहुल गांधी के नेतृत्व पर कोई सवाल नहीं उठा रहा। वे हमारे नेता हैं। देश में सरकार के खिलाफ जो माहौल तैयार किया है, उसमें राहुल जी का योगदान सबसे बड़ा है। ममता, अखिलेश जी, लालू जी की सबकी अलग-अलग राय है, लेकिन हमने मिलकर इंडिया अलायंस बनाया। अगर कोई नई बात रखना चाहता है, इंडिया ब्लॉक को ताकत देना चाहता है तो उस पर विचार होना चाहिए। कांग्रेस को भी इसमें शामिल होकर अपनी बात रखनी चाहिए।

मौलिक अधिकारों पर चर्चा कराई जाए : राम गोपाल

मैं समझ नहीं पा रहा कि संविधान में किस बात पर चर्चा हो रही है। इन्हें मौलिक अधिकारों पर चर्चा करानी चाहिए। किस तरीके से मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है। संविधान की आत्मा मौलिक अधिकार हैं और मौलिक अधिकार के बिना संविधान कुछ नहीं है।

विपक्ष का आरोप है कि सभापति और उपराष्ट्रपति पक्षपातपूर्ण तरीके से सदन चलाते हैं और विपक्ष को बोलने नहीं देते।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।